श्री अशोक पाण्डेय एक स्वतंत्र पत्रकार

का सन्मार्ग ओडिशा का लगभग 15 महीनों का अनुभव : एक अवलोकन

मेरा विचार सन्मार्ग ओडिशा के विषय में पिछले लगभग 15 महीनों का बड़ा ही रोमांचक, हृदयग्राही तथा प्रेरणादायक अनुभव रहा है। पिछले 15 महीनों में सन्मार्ग ओडिशा के फ्रेंचाइजी युवा उद्योगपति श्री शंकर गुप्ता रहे। 03 अगस्त, 2020 से सन्मार्ग ओडिशा के नये फ्रेंचाइजी होंगे श्री रामकृष्ण खण्डेलवाल। श्री शंकर गुप्ता से पूर्व सन्मार्ग ओडिशा के फ्रेंचाइजी थे श्री गौरांग अग्रवाल। मेरा आत्मीय लगाव समाचार प्रकाशन के क्रम में श्री गौरांग अग्रवाल तथा श्री शंकर गुप्ता से अच्छा रहा है। श्री शंकर गुप्ता ने अप्रैल, 2019 में सन्मार्ग ओडिशा की फ्रेंचाइजी स्वेच्छापूर्वक ली। उन्होंने अल्पकाल में समाचारपत्र की गुणवत्ता तथा उसकी पहुंच अधिक से अधिक हिन्दी पाठकों तक पहुंचाने का भरपूर प्रयास किया। ओडिशा के प्रथम नागरिक तथा महामहिम राज्यपाल प्रो गणेशीलाल जी से उन्होंने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले मुलाकात की तथा उन्हें समाचार पत्र की जानकारी दी तथा उनका आशीर्वाद भी लिया। श्री शंकर गुप्ता ने अपने कार्यकाल के दौरान अपने समाचार प्रभाग की टीम की समय-समय पर नियमित मीटिंग बुलाकर समाचार पत्र की गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु सही मार्गदर्शन दिया।

आवश्यकतानुसार कोलकाता से सन्मार्ग के पूर्व सम्पादक श्री हरिराम पाण्डेय को उन्होंने सादर आमंत्रित कर सन्मार्ग ओडिशा की लोकप्रियता को बढ़ाने का हरसंभव उनका सुझाव लिया और उसमें श्री शंकर गुप्ता को कामयाबी भी हाथ लगी।

पहली बार ओडिशा सन्मार्ग के इतिहास में एक नया स्तम्भ 'समाजगौरव' आलेख जुड़ा जो उस दौरान प्रत्येक शनिवार तथा रविवार के दिन

प्रकाशित होन लगा। समाजगौरव आलेख के लिए साक्षात्कार का जिम्मा मुझे यानि अशोक पाण्डेय को शंकर गुप्ताजी ने सौंपा। भुवनेश्वर,कटक,जटनी,पुरी,संबलपुर तथा राउरकेला आदि शहरों से लगभग 50 महानुभावों का साक्षात्कार प्रकाशित हुआ। आज 15 महीने के उपरांत भी समाजगौरव आलेख प्रकाशित कराने हेतु अनेक बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों तथा साहित्यकारों आदि की लाइन लगी हुई है।

श्री शंकर गुप्ता का जैसा नाम वैसा ही भोलेनाथ जैसा गुण। वे सभी के दुख-सुख में सदा तैयार नजर आते हैं। कीट-कीस के प्रतिष्ठाता प्रो अच्युत सामंत अपने स्पाइन ऑपरेशन के उपरांत जब अपने निवासस्थल नयापली, भुवनेश्वर में बेड रेस्ट ले रहे थे तो उनको देखने के लिए जानेवालों में श्री शंकर गुप्ता भी एक थे। यही नहीं कौन बनेगा करोड़पति के हॉट सीट पर जब ओडिशा से प्रो अच्युत सामंत पहुंचे तो उनकी यह खबर उन्होंने सन्मार्ग ओडिशा के मुख पृष्ठ पर मोटे-मोटे अक्षरों में प्रकाशित कराये।

अनन्य जगन्नाथभक्त सन्मार्ग ओडिशा के सम्पादक श्री शंकर गुप्ता ने महाप्रभु जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा के लगभग एक हजार वर्षों के इतिहास में पहली बार 2019 रथयात्रा में श्रीजगन्नाथमंदिर के सिंहद्वार से लेकर लगभग 11 एकड़ में फैले श्रीमंदिर तथा गुण्डीचा मंदिर का अभूतपूर्व तरीके से फूलों का श्रृंगार कराया।

उन्होंने जगन्नाथ मंदिर प्रांगण के सभी देव-देवियों के मंदिरों का भी फूलों का श्रृंगार अपने एक मित्र श्री शर्मा के सहयोग से पहली बार किया जिसका प्रकाशन सन्मार्ग ओडिशा आत्मगौरव के साथ किया। श्री शंकर गुप्ता ने जगन्नाथ संस्कृति की परम्परा में 2019 विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा के क्रम में इतिहास रच दिया जो आनेवाले हजारों वर्षों तक एक अनन्य जगन्नाथ भक्त द्वारा फूलों के श्रृंगार के रुप में याद किया जाएगा। सभी भारतीय खेलों से लगाव रखनेवाले श्री शंकर गुप्ता ओडिशा की कला,संस्कृति तथा साहित्य के संवर्द्धन हेतु अनेक साहित्यकारों का समाजगौरव आलेख प्रकाशितकर उनका मान बढ़ाया।

ओडिशा राजनीति को बड़ी प्रमुखता से सन्मार्ग ओडिशा के सम्पादक के रुप में उन्होंने प्रमुखता के साथ पत्र के मुखपत्र पर प्रकाशित करने का सदैव प्रयास किया। उनके द्वारा यह समाचारपत्र में एक नया स्तम्भ %%चाय पर चर्चा%% भी काफी लोकप्रिय हुआ। ओडिशा में आये भयंकर चक्रावाती तूफान के समय मुण्डली एनडीआरएफ -3 बटालियान से मिलना तथा उनके सराहनीय योगदानों के विषय में उनको बताया श्री शंकर गुप्ता की अपनी एक अलग पहल रही। उनके मार्गदर्शन में सन्मार्ग ओडिशा के पिछले लगभग 15 महीनों के यादगार लम्हों के कुछ अंश...

श्री अशोक पाण्डेय

का संक्षिप्त जीवन-परिचय

रुस की राजधानी मॉस्को स्थित भारतीय राज दूतावास के केन्द्रीय विद्यालय में पीजीटी हिन्दी तथा जवाहरलाल नेहरु सांस्कृतिक केन्द्र के हिन्दी व्याख्याता रह चुके राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त अवकाशप्राप्त हिन्दी शिक्षक, प्राचार्य, जगन्नाथ संस्कृति के आजीवन प्रचारक, तथा स्वतंत्र वरिष्ठ पत्रकार हैं श्री अशोक पाण्डेय जो पिछले लगभग तीन दशकों से भुवनेश्वर में रहते हैं। उनके शैक्षणिक जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धी रही मास्को स्टेट विश्वविद्यालय में विजिटिंग लेक्चरर के रुप में हिन्दी की कक्षाएं लेना तथा मास्को रेडियो पर हिन्दी में टॉक देना। केन्द्रीय विद्यालय नं.6 पोखरीपुट,भुवनेश्वर से 31दिसंबर,2013 को प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त होनेवाले श्री पाण्डेय को जापान के विभिन्न नगरों की सेकेंड्री शिक्षा प्रणाली के अवलोकनार्थ एक दक्ष समूह में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सौजन्य से यात्रा करने का मौका मिला। 2006 में उनको हिन्दी प्रचार-प्रचार तथा केन्द्रीय विद्यालय संगठन में पीजीटी हिन्दी के रुप में उल्लेखनीय,प्रशंसनीय तथा असाधारण सेवाओं के लिए तात्कालीन राष्ट्रपति स्वर्गीय डा एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित भी किया जिसके बदौलत श्री पाण्डेय की सेवाएं केवीएस में दो साल के लिए बढ़ा दी गईं। मॉस्को दूतावास में कार्य करते हुए श्री अशोक पाण्डेय ने मॉस्को विश्वविद्यालय में एक लेक्चरर के रुप में हिन्दी पढ़ाया। मास्को रेडियो पर हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु टॉक दिया तथा मास्को, कजान, बाल्दमीर, कजान तथा ताशकंद के हिन्दी विद्यार्थियों को हिन्दी पाठ्यक्रम पठन-पाठन की सामग्री तैयार कर दिया तथा भारत में आगरा में हिन्दी शिक्षण संस्थान में हिन्दी प्रशिक्षण के लिए मनोनीत किया। श्री पाण्डेय लबें समय तक आकाशवाणी कटक में हिन्दी कक्षाएं लिये हैं। भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा के सीधे प्रसारण में दूरदर्शन से लगभग 30 वर्षों तक योगदान दिया है। श्री पाण्डेय का लगाव ओडिया/जगन्नाथ संस्कृति से ऐसा रहा कि उन्होंने उस पर कुल 6 पुस्तकें प्रकाशित की है जिनमें राम राज्य,भारतीय संस्कृति को ओडिशा की देन,नवकलेवर और रथयात्रा,महाप्रभु जगन्नाथ,महाप्रसाद तथा भगवान जगन्नाथ के विभिन्न वेष आदि प्रकाशित रचना श्रीजगन्नाथपुरी धाम के सिंह द्वार काउण्टर पर बिकती हैं। श्री अशोक कुमार पाण्डेय पुरी गोवर्द्धनपीठ के 145वें पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य परमपाद स्वामी निश्चलानन्दजी सरस्वती महाराज द्वारा अवैतनिक नियुक्त उनके संयुक्त सचिव हैं जो जगतगुरुजी के विषय में अबतक 100 से भी अधिक आलेख पूरे भारत की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से प्रकाशित कर चुके हैं। श्री पाण्डेय का सानिध्य कीट-कीस के प्राणप्रतिष्ठा तथा कंधमाल लोकसभा सांसद माननीय प्रो अच्युत सामंतजी से है जिनके साहचर्य में रहकर वे ओडिशा में हिन्दी समेत जगन्नाथ संस्कृति के प्रचार-प्रसार तथा जनसेवा आदि में लगे हुए हैं। एक स्वतंत्र स्तम्भकार तथा वरिष्ठ पत्रकार के रुप में श्री पाण्डेय काफी लोकप्रिय रहे हैं।श्री पाण्डेय का लगाव मारवाड़ी समाज कटक-भुवनेश्वर से जुड़े सभी घटक संगठनों से बड़ा ही आत्मीय हैं। ओडिशा के कोणार्क मंदिर के समीप तथा राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित रामकथा मर्मज्ञ संत परमपाद मोरारी बापू के प्रवचनों के सीधे प्रसारण की हिन्दी रिपोर्टिंग तैयार कर उनका प्रकाशन कर उन्होंने अपनी आध्यात्मिक चेतना को लोगों के समक्ष प्रस्तुत कर दी। कटक में श्री श्रीनिवासजी गुप्ता-परिवार द्वारा समय-समय पर आयोजित श्री मृदुल महाराज के प्रवचन से लेकर माता वैष्णोदेवी के जागरण आदि के हिन्दी समाचारपत्रों के माध्यम से प्रचार-प्रसार में उनका योगदान अभूतपूर्व रहा है। मारवाड़ी समाज कटक-भुवनेश्वर,राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय खेलकूद,भारत स्काउट-गाइड से लेकर भुवनेश्वर राजभवन में नानक भजन संध्या आयोजन में,पुरी बेलाभूमि महोत्सव,कोणार्क महोत्सव,प्रथम खेलो इंडिया अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता आदि की उन्होंने नियमित रिपोर्टिंग की है।